दि०-21.5.25

संस्कृत विभाग

पूरक पाठ्यक्रम - वैदिक ज्ञान परम्परा

1 Date of BoS - 04/04/2025

2 कमेटी सदस्य

प्रो० इन्दिरा जुगरान - अध्यक्ष
डॉ० रेखा जोशियाल - सदस्य
डॉ० राखी पंचोला - सदस्य
डॉ० कामना लोहनी - सदस्य
डॉ० अंजली वर्मा - सदस्य
डॉ० पार्वती रस्तोगी - सदस्य
डॉ० अनुराग भण्डारी - सदस्य

3. कुल अवधि - 30 घण्टे
4. शिक्षण कार्य - हाईब्रीड मोड
5 कक्षा आरम्भ - 15/04/2025 से 09/05/2025 तक
6. परीक्षा - 16/05/2025 ऑफ लाइन मोड

21.5.25
विभागाध्यक्ष
संस्कृत

Scanned with OKEN Scanner

पूरक पाठ्यक्रम - संस्कृत
(Add-on Course) - 2024-25

वैदिक ज्ञान परंपरा

अधिगम उपलब्धि -

1. विद्यार्थी वैदिक ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारत के प्राचीन ज्ञान से प्रेरणा लेते हुए पारम्परिक मूल्यों को समकालीन ज्ञान के साथ एकीकृत कर सकेंगे।
3. वैदिक ज्ञान परम्परा के परिचय से विद्यार्थी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना से परिचित होंगे।
4. विद्यार्थी कल्याणपरक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्तकर सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित कर सकेंगे।

Unit - I वैदिक ज्ञान परम्परा का सामान्य अध्ययन

- वैदिक ज्ञान प्रणाली का इतिहास
- वैदिक ज्ञान परम्परा के विविध आयाम
- वैदिक ज्ञान परम्परा का वैशिष्ट्य
- वैदिक ज्ञान परम्परा का विश्व पर प्रभाव
- आधुनिक संदर्भ में वैदिक ज्ञान परम्परा की भूमिका
- वैदिक ज्ञान परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन

Unit - II श्रीमद्भगवद्गीता एवं गीता दर्शन

- श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का परिचय
- श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन
- श्रीमद्भगवद्गीता में समत्वयोग
- श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग
- श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मसिद्धान्त
- श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग

Scanned with OKEN Scanner

Unit - III - अथर्ववेद एवं आयुर्वेद चिकित्सा

- अथर्ववेद का सामान्य परिचय एवं अथर्ववेद चिकित्सा
- षड्ऋतुचर्या
- अथर्ववेद में औषधि विज्ञान
- आयुर्वेद का सामान्य परिचय एवं महत्व
- आयुर्वेद में अष्टांग चिकित्सा परिचय एवं उपयोगिता
- अथर्ववेद में आयुर्वेद में पथ्यापथ्य विमर्श - एक अध्ययन

Unit - IV - उपनिषद का सामान्य अध्ययन

- उपनिषदों का परिचय एवं वेदों से सम्बन्धित उपनिषद
- उपनिषद प्रतिपाद्य विषय एवं महत्व
- उपनिषदों में नैतिक तत्व
- उपनिषदों में राष्ट्रीय भावना
- आधुनिक संदर्भ में उपनिषदों की प्रासंगिकता
- उपनिषदों में नारी विमर्श

Unit - V - भारतीय दर्शन का सामान्य अध्ययन

- भारतीय दर्शन का इतिहास एवं महत्व
- दर्शन शब्द का अर्थ, भारतीय दर्शन उद्भव एवं विकास
- भारतीय दर्शन का प्रतिपाद्य विषय
- भारतीय आस्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन
- भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन
- सांख्यदर्शन में सत्कार्यवाद

Scanned with OKEN Scanner